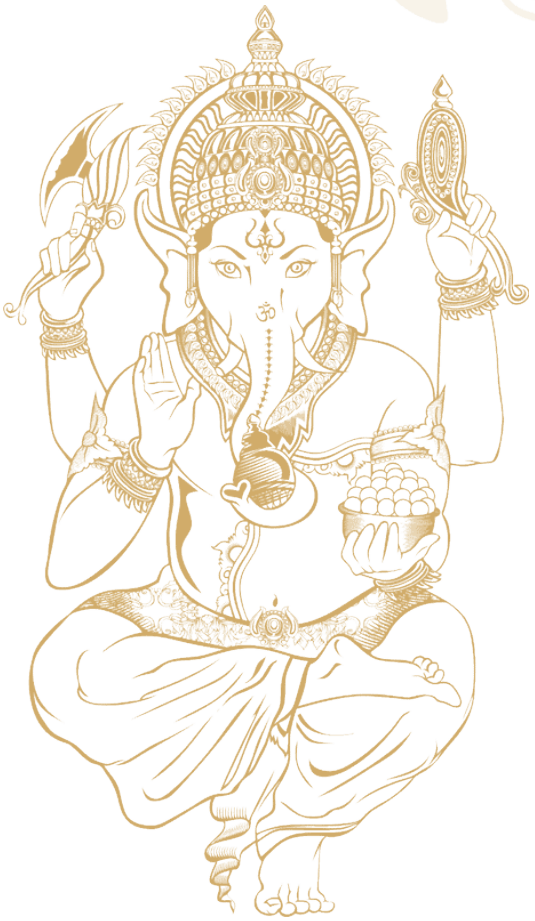

Tannu

06 Feb 2002

10:35 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121644111

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/02/2002**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:35:00 घंटे**
इष्ट	08:40:39 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:13:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:06 घंटे
साम्पातिक काल	19:18:32 घंटे
सूर्योदय	07:06:44 घंटे
सूर्यास्त	18:04:00 घंटे
दिनमान	10:57:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:20:36 मकर
लग्न के अंश	03:33:54 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:33:54	483:49:04	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	---
सूर्य			मक	23:20:36	01:00:49	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	13:38:37	13:03:55	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	नीच राशि
मंगल			मीन	19:21:41	00:43:17	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व		मक	05:09:21	00:19:50	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	12:38:24	00:04:31	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	28:47:37	01:15:15	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:09:09	00:00:13	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु			मिथु	02:06:04	00:01:14	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	उच्च राशि
केतु			धनु	02:06:04	00:01:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:30:14	00:03:27	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:54:22	00:02:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:14:49	00:01:23	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	24:14:16	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:55

लग्न-चलित

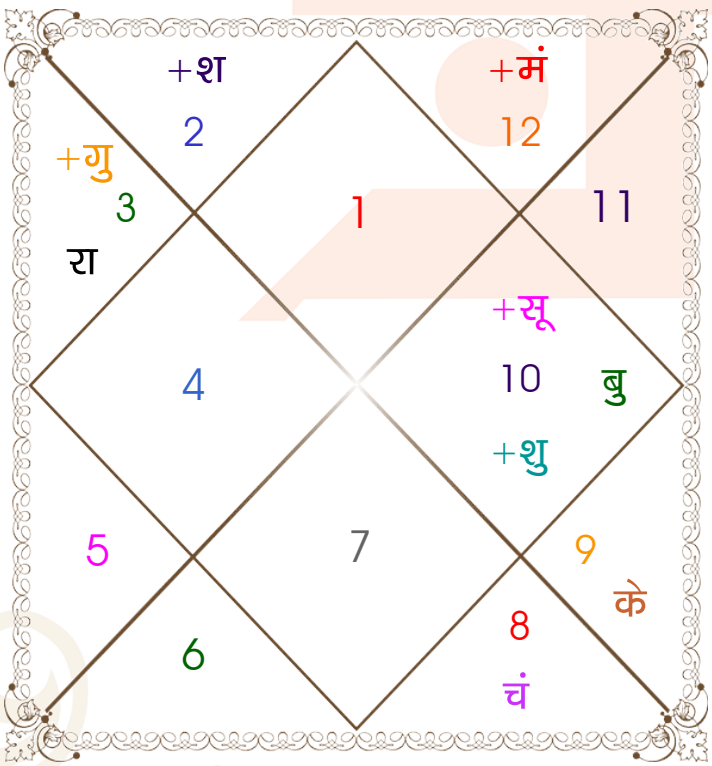

चन्द्र कुंडली

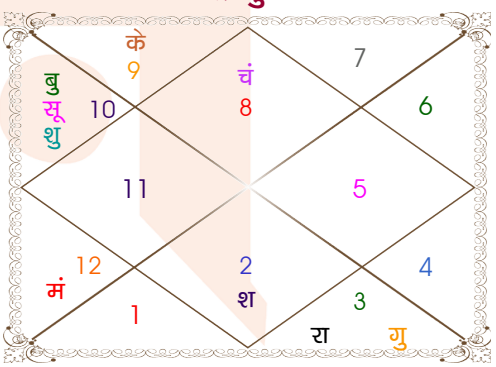

नवमांश कुंडली

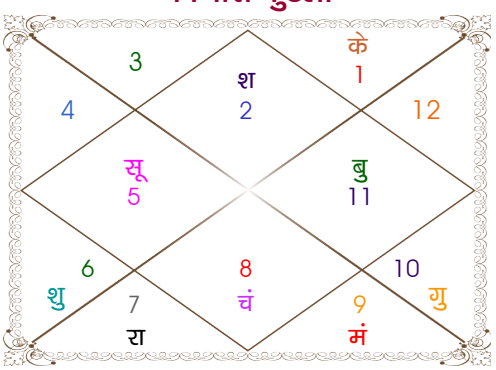

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 4 वर्ष 3 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/02/2002		29/05/2006		30/05/2023		29/05/2030		29/05/2050	
29/05/2006		30/05/2023		29/05/2030		29/05/2050		29/05/2056	
	00/00/0000	बुध	25/10/2008	केतु	26/10/2023	शुक्र	28/09/2033	सूर्य	16/09/2050
	00/00/0000	केतु	22/10/2009	शुक्र	25/12/2024	सूर्य	28/09/2034	चंद्र	18/03/2051
	00/00/0000	शुक्र	22/08/2012	सूर्य	02/05/2025	चंद्र	29/05/2036	मंगल	23/07/2051
	00/00/0000	सूर्य	29/06/2013	चंद्र	01/12/2025	मंगल	29/07/2037	राहु	16/06/2052
	00/00/0000	चंद्र	28/11/2014	मंगल	29/04/2026	राहु	29/07/2040	गुरु	04/04/2053
	00/00/0000	मंगल	25/11/2015	राहु	17/05/2027	गुरु	30/03/2043	शनि	17/03/2054
	06/02/2002	राहु	14/06/2018	गुरु	22/04/2028	शनि	29/05/2046	बुध	22/01/2055
राहु	16/11/2003	गुरु	19/09/2020	शनि	01/06/2029	बुध	29/03/2049	केतु	30/05/2055
गुरु	29/05/2006	शनि	30/05/2023	बुध	29/05/2030	केतु	29/05/2050	शुक्र	29/05/2056

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/05/2056		29/05/2066		29/05/2073		30/05/2091		31/05/2107	
29/05/2066		29/05/2073		30/05/2091		31/05/2107		00/00/0000	
चंद्र	29/03/2057	मंगल	26/10/2066	राहु	09/02/2076	गुरु	17/07/2093	शनि	02/06/2110
मंगल	28/10/2057	राहु	13/11/2067	गुरु	05/07/2078	शनि	28/01/2096	बुध	10/02/2113
राहु	29/04/2059	गुरु	19/10/2068	शनि	11/05/2081	बुध	05/05/2098	केतु	21/03/2114
गुरु	28/08/2060	शनि	28/11/2069	बुध	28/11/2083	केतु	11/04/2099	शुक्र	21/05/2117
शनि	30/03/2062	बुध	25/11/2070	केतु	16/12/2084	शुक्र	11/12/2101	सूर्य	03/05/2118
बुध	29/08/2063	केतु	23/04/2071	शुक्र	17/12/2087	सूर्य	29/09/2102	चंद्र	02/12/2119
केतु	29/03/2064	शुक्र	22/06/2072	सूर्य	09/11/2088	चंद्र	29/01/2104	मंगल	10/01/2121
शुक्र	28/11/2065	सूर्य	28/10/2072	चंद्र	11/05/2090	मंगल	04/01/2105	राहु	07/02/2122
सूर्य	29/05/2066	चंद्र	29/05/2073	मंगल	30/05/2091	राहु	31/05/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 4 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।